श्री राधा गोरी ने बृज में लियो अवतार

श्री राधा गोरी ने ब्रिज में लियो अवतार,
बरसाने के भानुभवन में हो रही जय जय कार,
श्री राधा गोरी ने बृज में लियो अवतार,

कृष्ण आत्मा कृष्ण बांसुरी कृष्ण अलाद्दीन शक्ति,
भानु कीर्ति लाली जायो प्रेम रूप प्रः भक्ति,
प्रगति मूल आधार किशोरी सरव सार को सार ओ,
श्री राधा गोरी ने बृज में लियो अवतार

बाजे ढोल मिरधंग जहांज डब बजे बीन शेहनाई,
राशिक जनो के समाज सजे और घर घर बाजे बधाई,
ब्रिज वासी मिल मंलग गावे शोभा अप्रम पार,
नवल किशोरी ने ब्रिज में लियो अवतार,

स्वर्ण के पलने में बृजरानी मंद मंद मुस्काये,
कहे **'मधुप'** जो आवे दर्शन पावे लाड लड़ावे,
सुर नर ऋषि मुनि नर नारी संत जावे बलिहार,
श्री राधा गोरी ने बृज में लियो अवतार

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7185/title/shri-radha-gori-ne-brij-me-liyo-avtaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |